

-अणिमा १६२  
३०.५.६७  
शिशु गीत और खेल

(23)  
[मैथिली लोकगीत मे]

MCA  
S71.621 (MCA)  
SIN

संकल्यित्री  
डाक्टर प्रोफेसर अणिमा सिंह  
लेडी नेबोर्न कॉलेज,  
कलकत्ता



प्रकाशक  
मिथिला दर्शन प्राइवेट लिमिटेड  
१४ बी, मजनाथ मिश्र रोड,  
कलकत्ता-६

शु  
छ।  
छि  
छि,  
करा  
ती मे  
रहनी  
छागन  
होइछ।  
रहेछ।  
ताइछ।

● प्रकाशक :

मिथिला दर्शन प्राइवेट लिमिटेड

१४ बी, अन्ननाथ मित्र लेन,

कलकत्ता-६

● मुद्रक :

सिंह प्रेस

१६२/८०, डेक गार्डनस,

कलकत्ता-४६

● प्रथम संस्करण :

१९६६

१००० प्रति

● मूल्य :

६० पैसे

आमुख

मानव जीवन में शिशु-गीत एवं कीड़ा क मईता सहजहि बहुत अधिक छैक। बाल-लीला एवं शिशु-विषयक सहज बच्चार सँ पापाणो हृदय एक बेर आनन्द-विह्वल भ' ज सकैद। विश्व क कोनो साहित्य एहि रसगीर वातावरण क उपेक्षा नहि क सकल अछि। सूर-तुलसी आदि श्रेष्ठ कवि लोकनि क बाल-वर्णन देखवे बोध्य अछि। किन्तु एतय संगृहीत गीत-माधुरी आन कोनो काव्य मे दुर्लभ अछि। शिशु-विषयक एहन सरस गीत सँ जे कोनो भाषा साहित्य गौरवान्वित भ' सकैछ। लोक-मगीपा द्वारा एकर अनुपम वर्णन भेल अछि।

मैथिली मे ऐक प्रकार क शिशु-गीत गाओल जाइछ। किछु गीत तँ कननिदार नेना कें चुप करवा क लेल गाओल जाइछ, किछु गीत तखन गाओल जाइछ जखन शिशु खाइत नहि गछि और भाव या आन हरी ओकरा फुसला कए खुआवै खाइत छथि, किछु गीत ओकरा सुखपूर्वक सुतेबाक लेल गाओल जाइछ, जकरा हिन्दी मे 'लोरी' बंगला मे 'बुनपाइानी गान' तथा अंग्रेजी मे 'ललाबाइ' कहल जाइत छैक। एकर अतिरिक्त किछु एहनो शिशु गीत भेटैछ, जकरा शिशुक मन बहलावक लेल स्त्रियन गावैत छथि। किछु शिशु गीत मे प्रायः कथात्मकता होइछ, किन्तु ओहि कथात्मकता क निर्वाह नीक जकाँ नहि भ' सकैछ। बीचे मे अंछला ददि जाइछ वा बटपुटोस, दास आदि जाइछ।



एहि गीत सभ क तुक और छन्द-योजना मे प्रचुर छेव पावैत छी अनेक प्रकार क अंग-संचालन तथा सुन्दर भाव-भंगी क संग अभिव्यक्त होमैवाला गीत बड़ मनोहारी समैत। किछु गीत मे गृहस्थी क समस्या क समावेश रहैत। एहि मे गृहस्थी सँ सम्बन्धित वस्तु सभक तथा परिवार क शरी लोकनिक पारस्परिक सम्बन्ध क सुख और सुन्दर वर्णन भेटैत।

खेला काल खेलाड़ी सभ गीत क उपयोग करैत छथि। एहि गीत सब के खेलाड़ी क मन क उल्लास और उमंग अभिव्यक्ति भेटैत। खेल क क्रम और विधि क अनुरूप ओकर छन्द-योजना होइत। अधिकांश खेल मे गीत क पद बहुत कम होइत। किन्तु ओहि पद क आवृत्ति विभिन्न रूप मे विभिन्न हारीरिक चेष्टा क प्रदर्शन द्वारा कैल जाइत। खेल और एतद्विषयक गीत असंख्य अछि।

—अग्निमा सिंह

## शिशु-गीत

१

अट्टा—पट्टा

अजब के मात गो बेटा

एक टा गेल माय मे

एक टा गेल भैंस मे

एक टा गेल हाथी मे

एक टा गेल घोड़ा मे

एक टा गेल चकरी मे

एक टा गेल छकरी मे

एक टा गेल भेड़ी मे

खिरिया पुड़िया रिन्हरह

अपना खेल ?

— २ —

हमरा खेल राखलह ?

बिलाह छाव गेल

चल गुड़गुड़िया, चल गुड़गुड़िया,

ओहरी सभा गुड़गुड़िया।

चान मामू, चान मामू, हँसुआ है।  
 सेहो हँसुआ कधी ले ? -- खड़वा फटावै ले।  
 सेहो खड़वा कधी ले ? -- बंगला हरावै ले।  
 सेहो बंगला कधी ले ? -- गैया हुकावै ले।  
 सेहो गैया कधी ले ? -- पोतवा पुरावै ले।  
 सेहो पोतवा कधी ले ? -- अंगना निपावै ले।  
 सेहो अंगना कधी ले ? -- गहूमा सुखावै ले।  
 सेहो गहूमा कधी ले ? -- मैदवा पिसावै ले।  
 सेहो मैदवा कधी ले ? -- पुड़िया पकावै ले।  
 सेहो पुड़िया कधी ले ? -- भौजो के सिखावै ले।  
 सेहो भौजो कधी ले ? -- बेटवा विवावै ले।  
 सेहो बेटवा कधी ले ? -- गुल्ली-डंडा खेळै ले।  
 गुल्ली-डंडा टुटि गेल, वधुआ रुसि गेल।

चान मामू, चान मामू,  
 धारे जायू, पारे जायू।  
 नदिवा किनारे जायू,  
 कानी के कजोरिया मे,  
 दूध-भात मेने जायू।  
 हसर नुनुषाक मुँह मे छुटुक,

चल गे रंजी, दाडि दरि ले।  
 केकरा जांत  
 धौलका मामू के चकरी।  
 अटकन देलकैन, मदकन देलकैन,  
 सध दाडि खैलकैन बकरी।  
 लये गहूमा के छवपच पुरिया,  
 नाया धगीचाक आम मे।  
 खाह-पी ले ने रंजी नौरिया,  
 जेधे सिपेहर भान मे।  
 माइ ले किनिहे नीक-नीक चढ़िया,  
 बहिन ले किनिहे शरी मे।  
 माइ हेरतो आरी-भारी,  
 बहिन हेरतो फूलवाड़ी मे।  
 दादी हेरतो खाट तुरैया।  
 नून छे चोपिया मे।

पुधुआ झूल, सलेल झूल,  
 कोन गाम झूल, पटना झूल,  
 पटनाक धिया-पुता बड़ि छटकी।  
 आँधी आणल, घुन्ती आणल  
 बम्पा फूल बधियाए गेल  
 लोड़ी बिचड़ी रहि गेल



मामू आवै छै होवा पर  
 उतरह मामू खड़ा पर  
 बैठह मामू चौका पर  
 बाधू राम के बेटी  
 हाथ मे गुलेती  
 मारे लागल झौकी  
 उड़ि गेल पड़ोकी  
 छथ पर ऐबह कि पुरान घर ?  
 छथ घर सठो रे उठो  
 पुरान घर खसो ।

६

धुधुआ मूल, गलेल मूल  
 कोन गाम मूल बेली मूल  
 बेली पिताम्बर नाम की  
 सोनमनि का टिक मूला  
 पोखरि कात कात हिरला लगा  
 हिरला गेलो टुटि  
 मुनु गेलो हसि

७

हाथी-हाथी रडन दे,  
 बोल टन टन दे ।  
 बड़का-बड़का कान दे,  
 एसे टा बधान दे ।

८

खलिपा भूले, भलिपा भूले,  
 हमर तुतवा हुमुधि भूले ।  
 जाया के धमिचवा मे,  
 अमुवा के निचवा मे,  
 कर-कों, कर-कों, गुरल,  
 पैगा के चिचिलो ।

९

अटकन भटकन दृष्टिवा भटकन  
 साथ मास करेला परे  
 जामुन गोटी जामुन गोटी  
 ऐतरी सोहाग गोटी  
 बांस काटे ठाय ठाय  
 नदी गुंगुचायल जाय  
 कमलक फूल दुनू अलगल जाय  
 छोटी रानी बड़ी रानी गेली नहाय  
 कान मंहक तड़की गेलैन हेराय  
 आव की पहिरती कौआक ठोर  
 कौआ ठोर तऽ फारी  
 आव की पहिरती साई  
 साड़ी मे तऽ बिछुआ  
 आव की पहिरती खिलुआ

१०  
 छाल दीदी ने  
 की दीदी ने  
 एक रत्ती छालही चटलेशो ने  
 तेहि छै छाल कका मारलकै  
 आध कोन पर नुकइयो ने  
 दावा घर नुकइयो ने  
 दावा घर धंरलवा ने  
 धीधे बजार मे खसलहुँ ने  
 सच परियतवा हँसलक ने  
 हमरो मामा हँसलक ने

११  
 छाता बाळा मुनसा के आवै छै ?  
 पहुना आवै छै  
 नीमक गाछ पर की बजै छै ?  
 बंग बजै छै  
 आरे पहुना छड़िक्कर ?  
 बंग देवौ लड़ि कए  
 लइहो सवादि कए  
 हुक्का देखौ भरि कए  
 भम मारिहौ कलि कए

१२  
 छाल गाछी गेलहुँ  
 छाल आम पेलहुँ  
 बोभा लगेलहुँ  
 बाबा के देखलहुँ  
 दावा ही बाघ छै बघिनिया छै  
 काजर बीजर केने छै  
 मधेपुर मे की छै  
 टिकुली सदायल छै  
 पौती मे की छै  
 हरमुनिया छै  
 गहना गुड़िया राखल छै



१३  
 काजर के कजरौटी बेटी,  
 हीगुर के मसाल ।  
 सार गाछ देख बेटी,  
 देख संसार ।

१४  
 अलिया ने, भलिया ने  
 गोला भरद खेत खाइ छौ ने  
 कहाँ ने ?— डीह पर ने ।  
 लीहक रखवार के ने ? मामू ने

मामू गैलै पुरैनिया गे,  
लाल-लाल बिछिया अलक गे।  
कल्लू सर पिन्डैलक गे,  
सामु के गोर लगौलक गे,  
ननद के ठनकैलक गे।

१५

तेल करै चुप चुप  
नुनु बाढ़ै लुप लुप  
तेली के तेलाय लागै  
नुनु के मोटांय लागै  
तेली माथा फूटै बेल  
नुनु माथा सोखै तेल

१६

चन्दा मामू अजोना  
धुंघरु भजौना  
सोने सरवा  
दूध के कटोरवा  
चन्दा मामू घुटुक

१७

आको पाको  
दिया जराको

सोनक दिया रूपा क बाती  
नुनु सुवै सुखक राती  
कननी विमनी पाछु जा  
हँसनी खेलनी आगु आ

१८

आहे माहे गोजा रोटी खा हे  
मरुआ के रोटी गौरी दाय के बेटी  
जाय छैन विदेसी  
रंगे रंग ढोल बाजै सुनहु परदेसी

१९

जे हमरा नुनु के मजर लगावै गुजर लगावै  
बासी बढनी धीपल खपड़ी  
तकरा मांग पर मारौ  
कैल करतूत छीठ मूठ  
नजर गुजर सब चूल्ही से  
पट पटाइ वै

२०

ओर ओर  
नुनु जाय मामा ओर

२१

मैना गे तोहर मौना हैतो  
हैत न त की



सोलह सौ सुपारी अयतो  
आयत न त की  
बारह हाथ के साड़ी अयतो  
आयत न त की  
लवका घर में फड़का करिई  
करव न त की

२२

सुबे सुबे रे सुनु बाल बचना  
माइ गेली कूटै पीसे चाप गढ़ीमान  
दादा के फल सनक दादी बदनाम

२३

नुनु खाव दूध भत्ता  
बिलैया चाटे पत्ता  
जौं जौं पत्ता उधियायल जाय  
तौं तौं नुनु रुसल जाय

२४

बापा हो कका हो सुगा खाइल धान हो  
होकी बेटी लहमी  
गोड़ में देखो पैजनी  
चलो सुभशा फूल तोड़े ले  
फूले गाल सर आयल जमाव  
बेटी के लेलकी दोली चढ़ाय  
जौं जौं बेटी हँकरल जाय  
तौं तौं कहिया पड़रल जाय

घर के लागल दाँती  
कनिया भिटैये छाती  
चल रे भोकना हाथी  
घर बैठल घर तर  
कनिया पैठल पीपर तर

२५

अटेल मलेल के जरना  
तुलसी फूल के छरना  
सागा अवेदौ मामा  
कथी पर हाथी पर  
उतरी मामा खड़ाम पर  
हेलौ मामा पिड़िया पर  
साठी धान के चूड़ा रे चूड़ा  
धेनु भँस के दूध  
मामा खेता पड़ी चूड़ा नुनु खेते जठ

२६

दाहो रे परयतो सुगा  
हमरा खेत में जइरे सुगा  
मामा के खेत जइरे सुगा  
एकटा सीस अनिई सुगा  
चोंचा ने भाव करिई सुगा  
सितुआ मे माइ पसेई सुगा



अपना लीहै परतया मे  
 तुनु के दीहै कटोरवा मे  
 तै लै तुनु रुसल जाय  
 थावा काका बौसने जाय  
 चल रे तुनु हमर खरिदान  
 खेत मे देवी एक सूप भान  
 तेकर किनिहै गूआ पान  
 पान बला के पाने नहि  
 तै हमरा नुनू के बाने नहि

२७

हे मे बिलैया कतय जाइछे ?  
 माछ मारे ।  
 केना मारवै ? छव्वर छैया ।  
 केना आमवै ? टांगि दूंगि ।  
 केना काटवै ? हंसुआ कचिया ।  
 केना रिन्हवै ? छत्तर फलर ।  
 केना खेवै ? नग्मा बीरी ।  
 केना पाववै ? टी टाँय ।

२८

एक तारा दू तारा  
 भनमा गोपाल तारा  
 भनमा क पेटी बड़ भगराहि

भगइल भगइत गेल गंगा पार  
 गंगा मैयो बालू दे  
 सेहो बालू कनूनिया छै छेल  
 कनूनिया बेचारी फुटहा देल  
 सेहो फुटहा भरवाहा छेल  
 भरवाहा बेचारा दूध देल  
 सेहो दूध बिलाइ पी गेल  
 बिलाइ बेचारी मूस देल  
 सेहो मूस चिरहा छै गेल  
 चिरहा बेचारा पंखा देल  
 सेहो पंखा मागू के देल  
 मामू बेचारा धोड़ा देल  
 मामी एगो खुबियो ने देल

२९

आ रे कुत्ता आइ जो  
 नगरी घोलाय जो  
 नगरी मे आगि लागलौ  
 बाप के घोलाय जो  
 बाप देलकौ जंग टोपी गुदरा कै  
 नाक मे छुलाकी देलकौ तबला कै  
 साँझ दे मे लँमली बिछौना बिछागे मकली  
 जो गहुम के कटनी अक्का मार मे गोतनी

३०

आ रे कुता आ  
मंगरी डोला  
मंगरी मे आगि लागली  
पाप के बोला

३१

ननरो पाप मे मनरो पाप  
वेडा कान्हो खोपरी मे  
कान्हें हें जनपिहा के  
नाचें हें पमरिया के  
देखो हें सिपहिवा के

३२

जटकन मटकन दहिवा चटकन  
मास मास फरै करेला  
ओहि करेला क नाम की  
आप जाय तेतरी सोहाग  
सिही लेवौ कि मंगुरी

३३

हले हले ननु हले  
माइ रुकमिनिया बाप भले  
पितिया सोहर राजकुमार  
फूफा ह' कलवार के

३४

सुत मे ननु सुतौनी देवौ  
बगरो के टांग छै अशौनी देवौ

३५

आ आ रे खजन बिहैया  
भंडा पाढ़ि पाढ़ि ओ  
सोरो अंडा आगि लागो  
भुन के आखि मे नीन

३६

एलभन बेलसन  
धोविया क पाठ सन  
कुम्हरा क चाक सन  
भनसिया क फटोत सन  
केरा क बम्ह सन  
भोकना बिलास सन  
ननु मनहर देख  
ननु ददिहर देख



## खेल क गीत

३५

### झुमुरकोना

झुमुरकोना झुमुरकोना कोन कोना जाएव ?  
एहि कोना जाएव ?  
ऊँ हूँ । ओहि कोना ।  
झुमुरकोना झुमुरकोना कोन कोना जाएव ?  
एहि कोना जाएव ?  
ऊँ हूँ । ओहि कोना ।

३८

### रजकोतवाल

हमरा बाड़ी, हमरा बाड़ी के ठनके ?  
रजकोतवाल ।  
की-की मंगेये ?  
आरव चाउर नव दकना,  
राजा पडौलन्हि फटहर लै  
ई त फूलहे अछि  
ई त फरले अछि  
ई त काँचे अछि  
ई पाकल अछि

३६

मेना के बच्चा हिरोलिया रे, दूटा जामुन गिरा  
क्या गिरैये त मारवो रे, दू गो पक्का गिरा

४०

### कपड्डी

चल कपड्डी करिया  
पकाई ले घरिया  
यना वे हरिया  
चल कपड्डी छुर  
चल कपड्डी छुर

४१

चल कपड्डी धारल  
मुलतानगंज हारल  
बिल्ली के पछाड़ल  
के नाम लव पुकारल ?

४२

चल कपड्डी टोड़ियाँ  
पटक दे मुँहियाँ  
कनी देख ले रे गुँहियाँ

४३

चल कपड्डी चटका  
उठा कद पटका  
टुल्लि दे बे - खटका

४४

मरल कें हे, मरै दहो  
फाशी जी मे जरे दहो

४५

पेत कपड्डी पेतकदार  
हाड़ न टूटै खबरदार

४६

तार काटौ तरकुन काटौ  
काटौ रे खरबूजा  
हाथी पर के र'न गिरल  
ट'न महाराजा

४७

हे राजा !  
की परजा ?  
तोहर घोड़ा धाम कियै खैलक ?  
खैमे करत

घोड़ा के बान्हि दिय' कि छोड़ि दिय' ?  
बान्हि दिय' ।

४८

घोषो रानी, कतना पानी ?  
मुदी तक ।  
घोषो रानी, कतना पानी ?  
ढेंगुन तक ।  
घोषो रानी, कतना पानी ?  
ग'र तक ।  
घोषो रानी, कतना पानी ?  
नाक तक ।  
घोषो रानी, कतना पानी ?  
माथा तक ।  
ई घर काटौ ?  
नहि ।  
ई घर काटौ  
नहि ।

४९

हे बक देहनो देहनो देहनो,  
तू छुपकल छ' केहनो ?  
हम छुपकल छी तोरे काटे ले,  
तू लठकल ज' केहनो ?



हम लटकल की प्रसाद चढ़े ले  
तू हुपकल की बेहनु  
धक देहनु देहनु देहनु

२०

तारनी बावू तार कटाई रेल बनावै रेल  
रेल चले धक धक धुईया पेंके कक कक  
भानापुर मे दाना मिले भागलपुर मे भाव  
कारा जी मे दुधकी मारे चल गुरु के साथ

२१

एंग छरी बेंग छरी जमुना छरी  
जमुना मे दाल गिरै मामी मरी  
मामी के पेडा कृपत खरी  
हम हुनू भाय पटना जाय  
पटना सँ तू चोखी मैगाय  
पुण्ड पीन्है सासु कमकाय  
तवी किनार मे बगुला बेटे  
बहरा चुनि चुनि साथ  
सिपी मज्जलिया काँठ चडावै  
कलपि कलपि दिव जाय  
अगिया अगिया धुरै घोड़ा मे जाय

२१  
करिया भुम्भरि

दे मगलो,  
की छोड़को ?  
बड़को कहीं गेल ?  
घाँस काटे ।  
घाँस मे की ?  
पौंती ।  
पौंती मे की ?  
भरनी ।  
भरनी मे की ?  
ककही ।  
ककही मे की ?  
केस ।  
केस मे की ?  
लील ।  
लील मे की ?  
छील ।  
छील पटापट मारै छी  
करिया भुम्भरि खेले छी ।

२२

करिया भुम्भरि  
पौंती मे की ? — भरनी  
भरनी मे की ? — कंपी

LIBRARY

SIN

कंधी मे की ? — केस  
 केस मे की ? — डील  
 डील मे की ? — कील  
 कील पटापट मारे की  
 करिया मुम्मारि खेले की  
 कील पटापट मारे की  
 करिया मुम्मारि खेले की

४४

एनियों से बेनियों बरभंगा वाली कनिया  
 सेही कनियों मंगे छे लोकनिया हे  
 कवम जोड़ी फूल  
 अपन भैया रहिते डोला लागल जेतिते  
 पितियोन भैया लागे छे गै-चरवा घन हे

४५

भागु भागु कनियो लताम खेने जाय  
 पीछे से लोकनिया ठेकान केने जाय

४६

कनियनि मनियनि मिता क मोर  
 कनियनि माइ के छे गेल चोर  
 दौड़ हो सड़मोरा क लोग

LIBRARY

451 SIA

४७

छोड़ा मोड़ा बंग पकौड़ा  
 बंग के रोटी खो  
 बाप गेलो पटना  
 बन्दूक छे कर जो

४८

बाळि वररी भूंग वररी  
 बाका पोखरि मे भूम चकरी  
 भैया पोखरि मे बड़ मछरी

४९

छाल कका हो, छाल गाछी गेलों  
 लाल आम पलों, चोभा लंगलों  
 इनार मे डोल, घन घन धोल  
 आध नहि जायन पड़वरिया टोल  
 बाप छे, बचिनिया छे  
 पौती मे हरमुनिया छे  
 बोल हरमुनिया बोल

५०

लाल गाछी गेलों छाल आम पलों  
 पैरा पर के धौलों  
 पैरा खोधि खोधि खाइवै



अगिला कौआ झुलर झुलर, पड़िला कौआ सोए  
हमरा मचान पर पेहे रे कौआ  
बाघ हौ बनिनिया हौ  
पौंती मे हरमुनिया हौ  
सिपकी के डाली चमेली के कूल  
राजा बम बम बोल

६१

कौआ रे ककका, आम दे पक्का  
मारवो सोभक्का ककक नै, सोधल नै  
काप नै, कककोदल नै आम दे पक्का,  
मारवो सोभक्का, तब कहवो ककका।

६२

हे छुहि चूहिया, पावनि कहिया ?  
दिन राति भीति मेछ वल्लभ कहिया ?

६३

सजन चिरैली सजन चिरैली कहिया सनान  
आइ नहि, काहिह नहि, परस सनान



LIBRARY

44) SIN

VI

period of

covered at

sun does

under shall

book sent